

विषयानुक्रमणी

१. भूमिका	२१
२. रहीम का व्यक्तित्व एवं कृतित्व	३५
३. काव्यशास्त्रीय दृष्टि से रहीम का मूल्यांकन	५७
१. काव्यशास्त्र शब्द के प्रयोग का आधार	६१
२. काव्य का उद्देश्य, लक्षण एवं प्रयोजन	६३
३. रहीम-काव्य में भावों का वैविध्य	६८
४. रहीम-काव्य में कल्पना का वैविध्य	७१
५. रहीम-काव्य में रसों का वैविध्य	७४
६. रहीम-काव्य में भाषा-चमत्कार	७७
७. रहीम-काव्य में शैली-विधान	७८
८. रहीम-काव्य में अलंकार-विधान	७९
९. रहीम-काव्य में छन्द-विधान	८०
१०. रहीम-काव्य में शब्द-शक्तियों का भावप्रवण प्रयोग	८२
४. नाट्यशास्त्रीय दृष्टि से रहीम का मूल्यांकन	८७
१. धनंजयकृत नायक-भेद	९१
२. धनंजयकृत नायिका-भेद	९३
३. रहीमकृत नायक-भेद	९८
४. रहीमकृत नायिका-भेद	१०४
५. रहीम-काव्य में नायिका-सौन्दर्य	१२०
५. रहीम-काव्य का महाकाव्यों से भावसाम्य	१२५
१. रामायण एवं रहीम	१२९
२. महाभारत एवं रहीम	१३२
३. पौराणिक कथाएं एवं रहीम	१३५
४. श्रीमद्भगवद्गीता एवं रहीम	१४७
५. वैदिक-धर्म-दर्शन एवं रहीम	१५७

६. रहीम-काव्य का नीति-काव्य अथवा उपदेश-काव्यों से भाव-साध्य	१५९
१. भर्तृहरि एवं रहीम	१६३
२. आचार्य शंकर एवं रहीम	१७१
३. आचार्य चाणक्य एवं रहीम	१७२
४. हनुमन्नाटककार एवं रहीम	१७४
५. सुभाषित संस्कृत उक्तियाँ एवं रहीम	१७५
७. रहीम की संस्कृत-कृतियाँ	१८९
१. खेटकौतुकम्	१९१
२. त्रयस्तिंशद्योगावलि	२६७
३. गङ्गाष्टकम्	२८४
४. मदनाष्टकम्	२८८
५. रहीम के स्फुट श्लोक	२९७
८. संदर्भ ग्रन्थ सूची	३०७
९. श्लोकानुक्रमणी/पद्यानुक्रमणी	३१२/३२४